International Research Journal of Management Science & Technology

ISSN 2250 – 1959(0nline)
2348 – 9367 (Print)

An Internationally Indexed Peer Reviewed & Refereed Journal

www.IRJMST.com
www.isarasolutions.com

Published by iSaRa Solutions

स्मारक एवं मंदिर–

Dr.Ajay Kumar Sharma

खैरागढ में दो प्राचीन मंदिर है–(1) खैरागढ (2) डोंगरगढ

खैरागढ के रूक्खड स्वामी मंदिर में खैरागढ के नाम कारण का ज्ञान होता है। एक घटना है कि किसी समय एक सिद्ध भक्त साधु जंगल में खैर वृक्ष के नीचे अपनी तपस्या में लीन था उसी समय राजा टिकेतराय शिकार के निकले नजर उस साधू पर पडी। राजा ने साधु के लिए वहीं एक कुटिया बनवा दी। बाद में वह कुटिया मंदिर में बदल गयी। साधु अपनी दैविक शक्ति अपनी दूरदृष्टि के लिए प्रसिद्ध थे। उस समय टिकेतराय के एकमात्र पुत्र की मृत्यु हो गयी थी और वह 60 वर्ष का हो गया था। साधु ने भविष्यवाणी की थी कि उसके दो पुत्र होगें भविष्यवाणी सच निकली। समय पश्चात खैरागढ के तात्कालीन राजा टिकेतराय चारो तरफ शत्रुओं से घिरा हुआ था, साधु ने आदेश दिये और शत्रु पराजित हो गये। साधु अंर्तध्यान हो गया। ऐसा कहा जाता है कि साधु ने अपनी जीवित अवस्था में ही समाधि ले ली।

डोंगरगढ का पहाडी स्थित मंदिर बमलाई देवी के नाम से प्रसिद्ध है इसकी भी एक ऐतिहासिक घटना है। उसका निर्माण डोंगरगढ के राजा कामसेन द्वारा उस समय किया गया जब परम प्रतापी राजा विक्रमादित्य उज्जैन में राज्य करते थे। राजा कामसेन ने एक स्त्री रखेल रखी थी जिसका नाम कंदला था वह अपूर्व सुंदरी और अनुपम गायिका थी। वहां का तालाब इसी काम कंदला के नाम पर खुदवाया हुआ था। बमलाई की पहाडी पर एक बडा शिलाखण्ड जिसे मोटियारी कहते है।

इस शब्दांश की एक कृति है। एक बार सात आगर सात कोरी याने 147 मोटियारी नर्तकिया अपनी कला का नृत्य दिखाने हेतु राजनांदगांव के राजा के साथ डोंगरगढ आयी। राजामाता को जब यह समाचार विदित हुआ तो वह बडी चिंतित हो गयी उसे लगने लगा कि उसका पुत्र उसमें से किसी सुंदर नर्तकी पर मोहित न हो जाये। जिसका परिणाम अच्छा नही होगा फलस्वरूप उसने हल्दी का एक घोल तैयार किया उसे मंत्र मुग्ध कर अपने पुत्र का निर्देश दिया इसे उस नर्तकी पर छिडके जिसका वह नृत्य गान देखे और सुने। उसने एक परम सुंदरी नर्तकी पर उस घोल को डाला जिसका कला कौशल को वह देखना चाहता था किंतु परिणाम यह हुआ कि घोल पडते ही वह नर्तकी शिलाखण्ड में परिवर्तित हो गयी। डोंगरगढ में 10 फुट उंचा

शिलास्तंभ है जो मोतिहारी तालाब पर पाया गया था जिस पर फारसी में दोहा उत्कीर्ण लेख है जो नही पढा जा सका।

डोंगरगढ से लगा हुआ ग्राम देवर बीजा है। यहां पर एक काले पत्थर से बना हुआ लिंग प्राप्त हुआ है। यह बहुत पुराना है और इस पर मकर ध्वज का नाम अंकित है।

दुर्ग के अवशेष भी यहां पर विद्यमान है। यहां पर पता लगता है कि पिंडारी डाकुओ के समूह ने राज्य को किस प्रकार हानि पहुंचाई है।

ISARA INSTITUTE OF MANAGEMENT & PROFESSIONAL STUDIES

WWW.IIMPS.IN

EARN YOUR

MBA

Accreditation & Ranking

UGC / NCTE Approved.

INFO@IIMPS.IN

011-41005174

RESEARCH GATEWAY

STOP PLAGIARISM

1 Submit your content in Word File.

2 Get report in 48 hrs.

3 *Missing content or references will be fixed.

4 Citation for your work.

5 Get accurate user friendly report.

researchgateway.in | info@researchgateway.in

+91-9205579779

AROGYAM ONLINE

Arogyam Ayurveda

Holistic Healing through herbs

100% NATURAL

PARIVARTAN PSYCHOLOGY CENTER

COLOR PSYCHOLOGY : HOW COLOR AFFECT YOUR CHILD

BLUE — Calms your Child's Mind & Body

YELLOW — Promotes Concentration, Stimulates the Memory

PINK — Evokes Empathy, makes your Child Calm

RED — Excites and energizes your Child's body

GREEN — Improves Reading speed and Comprehension

www.parivartan4u.com

Confuse about your children's future?

भारतीय भाषा, शिक्षा, साहित्य एवं शोध

ISSN 2321 – 9726

WWW.BHARTIYASHODH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SCIENCE & TECHNOLOGY

ISSN – 2250 – 1959 (0) 2348 – 9367 (P)

WWW.IRJMST.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF COMMERCE, ARTS AND SCIENCE

ISSN 2319 – 9202

WWW.CASIRJ.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT SOCIOLOGY & HUMANITIES

ISSN 2277 – 9809 (0) 2348 - 9359 (P)

WWW.IRJMSH.COM

INTERNATIONAL RESEARCH JOURNAL OF SCIENCE ENGINEERING AND TECHNOLOGY

ISSN 2454-3195 (online)

WWW.RJSET.COM

INTEGRATED RESEARCH JOURNAL OF MANAGEMENT, SCIENCE AND INNOVATION

ISSN 2582-5445

WWW.IRJMSI.COM

JOURNAL OF LEGAL STUDIES,POLITICS AND ECONOMICS RESEARCH

WWW.JLPER.COM